पलायन नहीं, अब प्रगति की ओर कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल में महिला सशक्तिकरण का रोडमैप रखा

ईटानगर, 22 सितंबर 2025. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5,125 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए पूर्वोत्तर भारत के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया. इस अवसर पर उन्होंने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य की घोषणा की और इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर से कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए विकास के 'मोदी मॉडल' की नई झलक पेश की. उन्होंने लखपति दीदी मिशन से लेकर रिफॉर्म तक कई बड़े ऐलान किए और कहा कि सीमावर्ती इलाकों को अब लास्ट नहीं बल्कि फर्स्ट माना जाएगा. पीएम मोदी ने कहा, यह सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि एक मिशन है. मोदी का मिशन है कि हर गांव में आत्मनिर्भर दीदी हों, जो अपने परिवार और समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकें.

उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने नॉर्थ ईस्ट को नजरअंदाज किया क्योंकि यहां की आबादी कम है और लोकसभा सीटें गिनी-चुनी हैं. कांग्रेस ने अरुणाचल जैसे राज्यों को बैकवर्ड जिले का टैग देकर विकास की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया. हमने उन्हें आकांक्षी जिले में बदला और वहां विकास की लहर दौड़ाई.

प्रधानमंत्री ने रिफॉर्म की घोषणा करते हुए कहा, आज देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत हुई है. त्योहारों के इस मौसम में जनता को डबल बोनस मिला है — एक ओर कम टैक्स का फायदा और दूसरी ओर तेज़ विकास. उन्होंने यह भी बताया कि जहां कांग्रेस के 10 साल में अरुणाचल को सिर्फ 6,000 करोड़ रुपये केंद्रीय टैक्स से मिले, वहीं बीजेपी सरकार ने 1 लाख करोड़ से अधिक राशि राज्य को दी. पीएम ने सीमावर्ती गांवों को 'फर्स्ट विलेज' बताकर वहां बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की योजनाएं भी साझा कीं.

बैंक ऑफ इंडिया फिनशील्ड कॉन्क्लेव में हैकाथॉन विजेता सम्मानित

मुंबई, 22 सितंबर (वार्ता) बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के सहयोग से आयोजित फिनशील्ड हैकाथॉन 2025 का ग्रैंड फिनाले बैंक के मुंबई मुख्यालय में सम्पन्न हुआ, जिसमें दो समस्याओं का समाधान पेश करने वाले विजेताओं को सम्मानित किया गया.देश के 30 आईआईटी, आईआईआईटी और एनआईटी सहित 661 टीमों ने भाग लिया. फाइनल के लिए 18 टीमों को चुना गया. उद्योग जगत की जूरी ने इनमें से प्रत्येक समस्या के लिए शीर्ष तीन टीमों का चयन किया. विजेताओं को पांच लाख, तीन लाख दो लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रत्येक श्रेणी में एक लाख रुपये का विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार प्रदान किया गया.

एनबीसीसी हडको के बीच समझौता

नई दिल्ली, 22 सितंबर. हडको और एनबीसीसी ने शहरी रूपरेखा को रूपांतरित करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता किया समझौता ज्ञापन से पंचकुला, कौशाम्बी, अहमदाबाद और नई दिल्ली में 117 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का मार्ग प्रशस्त एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड और हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हडको) दोनों नवरत्न सीपीएसई ने पंचकूला, कौशाम्बी, अहमदाबाद और नई दिल्ली में रूपांतरकारी विकास परियोजनाओं को निष्पादित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए.

संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हडको तथा के.पी. महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारीगणों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते के अंतर्गत, एनबीसीसी गाजियाबाद के कौशांबी में वाणिज्यिक परिसर के विकास, पंचकूला में हडको के भूखंड के एकीकृत पुनर्विकास, अहमदाबाद में हडको के क्षेत्रीय कार्यालय में नए ब्लॉकों के निर्माण और राष्ट्रीय राजधानी में एशियाई खेल गांव परिसर में आवासीय फ्लैटों के पुनर्निर्माण के कार्य का नेतृत्व करेगा.

कुल मिलाकर, ये परियोजनाएं 117 करोड़ रुपये से अधिक के संयुक्त निवेश का प्रतिनिधित्व कर रही है एवं इन्हें एनबीसीसी द्वारा आद्योपांत आधार पर निष्पादित किया जाएगा. यह सहकार्य आवासीय और शहरी विकास में हडको की समृद्ध विरासत को एनबीसीसी की संधारणीय, विश्व-स्तरीय अवसंरचना प्रदान करने की प्रमाणित विशेषज्ञता के साथ जोड़ रहा है.

जीएसटी 2 .0 से आसान होगा जीवनयापन : फिक्की

नयी दिल्ली, 22 सितंबर. भारतीय उद्योग परिसंघ ने वस्तु एवं सेवा कर के तहत सोमवार से लागू अगली पीढ़ी के सुधारों का स्वागत करते हुये कहा है कि इससे आम लोगों का जीवनयापन आसान होगा.

फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने एक बयान में कहा, फिक्की आज से जीएसटी 2.0 के लागू होने का स्वागत करता है. संशोधित ढांचा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) के लिए अनुपालन संबंधी बोझ को कम करेगा, मेक इन इंडिया उत्पादों की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करेगा और जीवन को आसान बनायेगा. उल्लेखनीय है कि देश में सोमवार से जीएसटी के हालिया सुधार लागू हो गये हैं. इसके तहत स्लैब की संख्या चार से घटाकर दो कर दी गयी है. आम लोगों के इस्तेमाल की अधिकतर चीजों पर कर की दर शून्य या पांच प्रतिशत कर दी गयी है. अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी पर नये सिरे से जोर देने के साथ, सुव्यवस्थित कर संरचना से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप घरेलू उत्पादन तथा विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा.

यूट्रिवाइज 2025 एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

नागपुर, 12 सितम्बर महिला मंडल की अध्यक्षा, श्रीमती आभा द्विवेदी ने समावेशी कम-खर्च पोषक भारतीय व्यंजन प्रतियोगिता में सर्वाधिक प्रतिभागियों के साथ बनाया रिकॉर्ड न्यूट्रिवाइज 2025 **में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई जब झंकार महिला मंडल की अध्यक्ष आभा द्विवेदी ने एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराते हुए समावेशी कम-खर्च पोषक भारतीय व्यंजन प्रतियोगिता में सबसे अधिक प्रतिभागियों को जोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया.**

यह आयोजन एसवीके शिक्षण संस्था और एल.ए.डी. महिला महाविद्यालय, नागपुर के सहयोग से 12 सितम्बर को सम्पन्न हुआ. इसमें अभूतपूर्व संख्या में मुख्यधारा के प्रतिभागियों के साथ-साथ विशेष रूप से सक्षम (सपेशली एबल्ड) प्रतिभागियों ने भी भाग लिया. सभी ने रचनात्मक, स्वास्थ्यवर्धक और किफायती शाकाहारी व्यंजन प्रस्तुत किए — जिनकी लागत प्रति सर्विंग 30 से कम थी. इसकी आधिकारिक घोषणा एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक डॉ. सुनीता धोटे ने की और इस पहल की समावेशिता तथा सामाजिक प्रभाव की प्रशंसा की. इस अवसर पर अभा द्विवेदी ने कहा कि न्यूट्रिवाइज का जन्म एक सपने के साथ हुआ था — स्वस्थ भोजन को सुलभ, किफायती और समावेशी बनाना. यह मान्यता केवल मेरा सम्मान नहीं, बल्कि हर प्रतिभागी की रचनात्मकता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है. मैं इस उपलब्धि को उस सामुदायिक भावना को समर्पित करती हूँ जिसने न्यूट्रिवाइज को भव्य सफलता दिलाई. एल.ए.डी. कॉलेज की निदेशक, डॉ. नंदा राठी ने कहा कि एल.ए.डी. कॉलेज के लिए यह गौरव का विषय है कि हम इस ऐतिहासिक उपलब्धि के सहभागी बने. हमारे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और यह भी सीखा कि साधारण और किफायती विकल्पों के माध्यम से भी अच्छा स्वास्थ्य पाया जा सकता है. न्यूट्रिवाइज एक सशक्त शैक्षणिक मंच सिद्ध हुआ है. एसवीके शिक्षण संस्था की अध्यक्ष, गायत्री वात्सल्य ने कहा कि न्यूट्रिवाइज उन मूल्यों का प्रतीक है जिनके लिए हम खड़े हैं — समावेश, जागरूकता और सशक्तिकरण.

> पोषण सोसायटी ऑफ इंडिया, नागपुर चैप्टर की संयोजक, डॉ. रीता भार्गव ने कहा कि न्यूट्रिवाइज 2025 एक अनोखी पहल है, जिसने पोषण जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को सुंदर ढंग से जोड़ा है. कम-खर्च पौष्टिक भोजन पर ध्यान देकर यह लोगों को सिखाता है कि हर घर के बजट में स्वस्थ जीवन संभव है. यह उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व का क्षण है. कार्यक्रम में पोषण विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और सामाजिक नेताओं की भागीदारी ने इसे और समृद्ध बनाया, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किफायती परंतु पौष्टिक भोजन विकल्प एक स्वस्थ भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं. इस अवसर पर झंकार महिला मंडल की उपाध्यक्षा श्रीमती रीना पांडे एवं श्रीमती सोनाली म्हेत्रे तथा सचिव श्रीमती लिपिका श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिती थी.

कोयले की लागत में प्रति टन 329 .61 रुपये कमी दिखी

बिजली क्षेत्र के लिए कोयला 260 रुपये प्रति टन सस्ता हुआ

400 रुपये प्रति टन के क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त कर दिया गया

नयी दिल्ली, 22 सितंबर. कोयला मंत्रालय का कहना है कि कोयले पर वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) की दर बढ़ने के बावजूद इस क्षेत्र पर अप्रत्यक्ष कर ढांचे में नये सुधारों से कुल मिलाकर कर के भार में उल्लेखनीय कमी आयी है और बिजली क्षेत्र के लिए कोयला 260 **रुपये प्रति टन सस्ता हुआ है.**

उल्लेखनीय है कि जीसटी परिषद की 56वीं बैठक में कोयले पर पहले लगाये जाने वाले 400 रुपये प्रति टन के क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त कर दिया गया. हालांकि कर की दर पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गयी जो सोमवार से लागू हो गयी है.

कोयला मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, जीएसटी सुधार से कोयला मूल्य निर्धारण और बिजली क्षेत्र पर नये सुधार का प्रभाव कुल कर भार में उल्लेखनीय कमी के रूप में सामने आया है. जी6 से जी17 श्रेणी के कोयले की लागत में 13.40 रुपये प्रति टन से लेकर 329.61 रुपये प्रति टन तक की कमी दिखी है. इसी तरह बिजली क्षेत्र के लिए औसत कमी लगभग 260 प्रति रुपये टन है, जो बिजली उत्पादन लागत में 17-18 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की कमी दर्शाती है. मंत्रालय का कहना है कि कोयले की सभी श्रेणियों में कर भार को युक्तिसंगत बनाने से न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित हुआ है.

> मंत्रालय का कहना है कि नयी व्यवस्था में कोयला कंपनियों की अवरुद्ध तरलता मुक्त होगी और कोयला कंपनियों को अप्रयुक्त जीएसटी क्रेडिट के संचय के कारण होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी और वित्तीय स्थिरता बढ़ेगी.

बचत पर म्युचुअल फंड का फायदा!

जियो पेमेंट्स बैंक की नई सेवा से करें स्मार्ट सेविंग

बचत का पैसा अब खुद-ब-खुद बनेगा निवेश

मुंबई, 22 सितंबर. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की सहायक कंपनी जियो पेमेंट्स बैंक ने सोमवार को सेविंग्स प्रो के लॉन्च की घोषणा की जिसमें बचत खाते में जमा अतिरिक्त राशि ओवरनाइट म्युचुअल फंड के ग्रोथ प्लान में स्वतः निवेश कर दी जायेगी ताकि ग्राहकों को ज्यादा रिटर्न मिल सके.

कंपनी ने एक बयान में कहा कि कुछ ही क्लिक के साथ कोई भी जियो पेमेंट्स बैंक खाताधारक सेविंग्स प्रो खाते में अपग्रेड कर सकता है. ग्राहकों को अपनी पसंद की एक सीमा निर्धारित करनी होगी, जो शुरुआती लॉन्च चरण के दौरान 5,000 रुपये से शुरू होती है, और उनके खाते में इस सीमा से अधिक की कोई भी अतिरिक्त धनराशि स्वचालित रूप से चुनिंदा ओवरनाइट म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर दी जायेगी जिनमें कम जोखिम होता है. ग्राहक इस सुविधा के माध्यम से प्रतिदिन 1,50,000 रुपये तक निवेश कर सकते हैं.

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, ग्राहकों के पास अपने निवेश का 90 प्रतिशत तक तुरंत भुनाने की सुविधा है, जिसकी अधिकतम तत्काल सीमा 50,000 रुपये है.

मीडियाटेक ने पेश किया एसओसी, 5जी स्मार्टफोन

सिंचू (ताइवान), 22 सितंबर. स्मार्टफोन के लिए सिस्टम ऑन अ चिप (एसओसी) बनाने वाली अग्रणी कंपनी ताइवानी कंपनी मीडियाटेक ने सोमवार को अपने अब तक के सबसे उन्नत मोबाइल प्लेटफॉर्म मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 पेश करने की घोषणा की. ऑन-डिवाइस एआई, कंसोल-क्लास गेमिंग और बैटरी पावर में नये मानक स्थापित करते हुए मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 को 5जी स्मार्टफोन्स की अगली पीढ़ी को सुपरचार्ज करने के लिए डिजाइन किया गया है.

रिलायंस ने की एप्पल फोन 17 लॉन्च की घोषणा

नयी दिल्ली, 22 सितंबर. भारत की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन, रिलायंस डिजिटल ने बहुप्रतीक्षित Apple iPhone 17 सीरीज़ के देशव्यापी लॉन्च की घोषणा की है. अपनी व्यापक उपस्थिति के साथ, यह ब्रांड यह सुनिश्चित करता है कि भारत भर के श्श्श्यद्द प्रेमी - महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक - नवीनतम आईफोन पाने वाले पहले लोगों में शामिल होंगे.

रिलायंस डिजिटल में, तकनीक हमेशा से आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए रही है. इस सीज़न में, रिलायंस डिजिटल 16 आईफोन और आईफोन 16e पर अब तक की सबसे कम कीमतों के साथ त्योहारों को जल्दी ला रहा है. पहली बार, आईफोन 16 Plus 57,990 की प्रभावी कीमत पर उपलब्ध है, जबकि आईफोन 16e केवल 42,990 में. आईफोन 16 Plus की बड़ी स्क्रीन वीडियो देखने, गेम खेलने और मल्टीटास्किंग के लिए एक अधिक इमर्सिव अनुभव प्रदान करती है.

राजनीति में किस तरह से काम करती है पसमांदा जाति

किसे वोट देंगे मुसलमान!

नई दिल्ली. भारत में जाति केवल हिंदुओं में नहीं है, बल्कि मुसलमानों में भी इसे प्रमुखता से बरता जाता है. मुसलमान आमतौर पर अशराफ, अजलाफ, अर्जल और पसमांदा जैसे समूहों में बंटे हुए हैं. मुसलमान आमतौर पर रणनीतिक रूप से मतदान करते हैं.

इसके साथ ही यह गणित और बीजगणित का खेल भी है. भारतीय चुनाव में एक मिथक फैला है, जो बिहार की गंगा नदी की तरह सहज और जटिल दोनों है. वह यह है कि मुस्लिम वोट एक एकीकृत चीज है, जिसे आसानी से गिना जा सकता है. उसे एक पार्टी के निशान के साथ चिह्नित किया जा सकता है. पटना के फुलवारी शरीफ में देर

रात घूमें, सिवान में सुबह एक चाय की दुकान पर रुकें, मधुबनी के साकरी या ग्लेसन बाजार में लोगों से मिलें या किशनगंज की छोटी गलियों में टहलें, तो इस मिथक को टूटते देख सकते हैं. वोट देना रणनीतिक और व्यक्तिगत होता है. यह अतीत और भविष्य, शिकायतों और उम्मीदों के बीच का संवाद है. यह अंकगणित भी है और बीजगणित भी.

मुसलमानों में जातियां- बिहार की यात्रा के दौरान आप मुसलमानों की जाति को महसूस कर सकते हैं. जाति अल्पसंख्यक समुदाय को भी बांटती है, जैसे अशराफ, अजलाफ, अर्जल और पसमांदा. यह उनके वोटिंग पैटर्न को प्रभावित भी करती है. फारसी शब्द पसमांदा एक नया राजनीतिक पहलू है. सीमांचल और मिथिलांचल के बिखरे हुए भूगोल में संख्याएं खेल के नियम बदल देती हैं. बिहार में %मुसलमान कैसे वोट करते हैं? यह एक ऐसा सवाल है, जिसके कई जवाब हो सकते हैं. मुसलमान अपनी जाति और निर्वाचन क्षेत्र में अपनी संख्यात्मक शक्ति के मुताबिक वोट करते हैं.

साल 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में, 80 फीसद मुसलमानों ने महागठबंधन (राजद, कांग्रेस और जद(यू)) को वोट दिया था, क्योंकि नीतीश कुमार ने राजद और कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था.

> **इस्लाम की जातियां और पसमांदा का उदय**
>
> विशेषज्ञ जब मुसलमानों में जाति की बात करते हैं, तो वे हिंदू जातियों को इस्लाम पर थोप नहीं रहे होते है, वे दक्षिण एशियाई मुस्लिम समाज में बहुत पहले से मौजूद सामाजिक स्तरीकरण को देख रहे होते हैं. इस लिहाज से, दक्षिण एशियाई मुसलमान पश्चिम एशिया के मुसलमानों से अलग हैं. बाहर से आए वंशों को अशरफ कहा जाता है. कारीगरों और धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बने लोगों को अजलाफ कहा जाता है और हाशिये पर रह रहे मुसलमानों को अरजाल कहा जाता है. हाल के सालों में एक राजनीतिक शब्दावली पसमांदा ने अजलाफ और अरजाल को एक साथ लाकर पिछड़े वर्ग की पहचान दी है.

नुआपाड़ा उपचुनाव दलों की बड़ी परीक्षा

मुकाबला बीजेडी, भाजपा तथा कांग्रेस के लिए निर्णायक

भुवनेश्वर. नुआपाड़ा, जो पश्चिमी ओड़िशा में है और छत्तीसगढ़ की सीमाओं से सटा है, लगभग ढाई लाख मतदाताओं का निर्वाचन क्षेत्र है, जिनमें लगभग 40 **प्रतिशत अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंध रखते हैं. ओबीसी मतदाता भी इस क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में हैं.**

बीजेडी के वरिष्ठ एवं लंबे समय से विधायक राजेंद्र ढोलाकिया के निधन के बाद यह सीट रिक्त हुई, जिससे राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियाँ शुरू कर दीं. बीजेडी के लिए यह अपनी पकड़ बनाए रखने का अवसर है, जबकि भाजपा और कांग्रेस इस जगह से बीजेडी की पकड़ खिसकाने की कोशिश में हैं.

राजनीतिक दृष्टि से यह उपचुनाव कई मायने रखता है. भाजपा के लिए, जिसने 2024 के विधानसभा चुनाव में बीजेडी को सत्ता से हटाया था, नुआपाड़ा जीतना नेतृत्व की मजबूती का संकेत होगा. बीजेडी के लिए यह सत्ता गंवाने के बाद पहली परीक्षा है, और पार्टी की प्रसिद्धि, विशेषकर नबीन पटनायक की पकड़ अभी कितनी बची है, यह दिखने का अवसर है.

> **राजनीतिक बदलावों की परीक्षा**
>
> नुआपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में नुआपाड़ा व कोमना ब्लॉक्स और खरिया रोड नगर क्षेत्र शामिल हैं. यह क्षेत्र वर्षों से राजनीतिक रूप से प्रतिस्पर्धी रहा है, जहाँ बीजेपी, बीजेडी और स्वतंत्र उम्मीदवारों के बीच वोटों की चौड़ी लड़ाई होती रही है. 2024 के चुनाव में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से हर चुनाव को राजनीतिक बदलावों की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है.

के . कविता अब क्या करेंगी?

हैदराबाद. तेलंगाना में कुछ दिलचस्प होने की संभावना है. पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को पार्टी से निकाला गया तो उन्होंने पार्टी और विधान परिषद की सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया.

उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके भाई केटी रामाराव उनके पिता चंद्रशेखर राव को गुमराह कर रहे हैं और भाजपा के साथ ले जाने की कोशिश कर रहे हैं. संभवत: इसलिए उप राष्ट्रपति के चुनाव में चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति दोनों उम्मीदवारों से समान दूरी रखी. पार्टी के चार राज्यसभा सांसदों ने चुनाव में गैरहाजिर रहने का फैसला किया. अब सवाल है कि आगे क्या होगा? क्या बीआरएस तेलंगाना की राजनीति में भी दोनों गठबंधनों से तटस्थ रहेगी? उससे बड़ा सवाल है कि के कविता क्या करेंगी? उन्होंने विधान परिषद की सदस्यता छोड़ी तभी से यह कहा जा रहा है कि वे कांग्रेस के साथ जा सकती हैं. कांग्रेस ही उनको वापस विधान परिषद की सदस्यता दिला सकती है. दूसरे, वे अगर भाजपा से दूरी रखना चाहती हैं तो उसका भी रास्ता यह है कि कांग्रेस के साथ रहें. हालांकि एक संभावना यह जताई जा रही थी कि वे पहले अपनी पार्टी बना कर राजनीति करने का रास्ता चुन सकती हैं.

एकीकृत आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाईएसआर कांग्रेस की बेटी वाईएस शर्मिला ने ऐसा ही किया था. जब भाई जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र की सत्ता पर अपना वर्चस्व बना लिया तो शर्मिला ने अलग पार्टी बनाई थी और अभी वे आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रमुख हैं. सो, देखना है कि कविता सीधे कांग्रेस में शामिल हो जाती हैं या शर्मिला की तरह पहले अपनी पार्टी बना कर राजनीति करती हैं.

विशेष | **दलित वोट बैंक की राजनीति या बीएसपी में वापसी की कोशिश**

मायावती को बार-बार क्यों ऑफर दे रहे स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी सियासी साख वापस पाने में जुटे पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर बसपा में वापसी के संकेत दे रहे हैं.

वाराणसी पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्या ने जहां एक तरफ स्वामी रामभद्राचार्य, बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर हैं वहीं यह भी कह रहे हैं कि अगर मायावती बाबा साहेब के मिशन पर आगे बढ़ती हैं तो उनसे हाथ मिलाने में उन्हें कोई गुरेज नहीं हैं.

बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य 2017 में बसपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे. उसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली थी, लेकिन रामचरितमानस विवाद के बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी छोड़कर अपनी पार्टी बना ली.अब वे लोक मोर्चा गठबंधन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार दलितों से जुड़े मुद्दे को एकजुट करने में जुटे हैं, ऐसे में अगर उन्हें बसपा का साथ मिलता है तो 2027 के चुनाव में वह तीसरे विकल्प के तौर पर उभर सकते हैं. हालांकि, मायावती अपने पुराने नेताओं की वापसी पर फोकस कर रही हैं, लेकिन उन्होंने किसी भी गठबंधन का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया है.

धर्मगुरुओं पर निशाना- वाराणसी में स्वमी प्रसाद मौर्या ने कहा कि स्वामी रामभद्राचार्य की वेशभूषा संतों जैसी है, लेकिन भाषा अश्लील है .उन्होंने आरोप लगाया कि रामभद्राचार्य ओछी हरकतें कर रहे हैं. इसी तरह बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री को ढोंगी पाखंडी करार देते हुए मौर्य ने कहा कि ये बाबा वेश में देश को बांटने का काम कर रहे हैं.

> **मायावती से हाथ मिलाने से गुरेज नहीं**
>
> स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीएसपी प्रमुख मायावती पर टिप्पणी की.उन्होंने कहा, अगर मायावती यह साबित करें कि वो बाबासाहेब आंबेडकर के मिशन पर चल रही हैं तो स्वामी प्रसाद मौर्य को उनसे हाथ मिलाने में कोई गुरेज नहीं. यह बयान सीधे तौर पर बीएसपी में वापसी को लेकर उनकी ललक को दर्शाता है.